INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

PREMID TERM EXAMINATION 2025-26		
CLASS-IX	**SUBJECT- HINDI (2ND LANG.)**	**MAX. MARKS: 30**
Date: 15.05.25	**SET: II**	**Time: 1 hour**

MARKING SCHEME

खंड – क

1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

(i) (ख)प्रगति मैदान (1)

(ii) (ग)प्रकाशकों को (1)

(iii) (घ)पुस्तकों के विमोचन के लिए (1)

(iv) मेले में एक ही छत के नीचे लगभग हर विषय का प्राप्त हो जाना इस मेले को विशेष लोकप्रिय तथा उपयोगी बनाता है l (2)

(v) वैसे तो प्रकाशक ग्राहकों को अपनी पुस्तकों के क्रय पर छूट देते ही हैं, परंतु अंतिम दिन तो यह छूट इतनी अधिक होती है कि देर शाम तक लोग किताबें खरीदने में जुटे रहते हैं l (2)

खंड-ख

2.(क) क्ष, श्र, त्र, ज्ञ (any two) (1)

(ख) (any two) (2)

(i) पद

(ii) स्वतंत्र सार्थक ध्वनि समूह को शब्द कहते हैं l उदाहरण-लड़का

(iii) वाक्य (any two)

(ग) मंडल, श्रेणियाँ। (1)

खंड-ग

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन (5) कीजिए –

i. (ख) सर्प के काटने से

ii. (ग) कछियारी करता था

iii. (घ) ओझा को

iv. (घ) 23

v. (ख) यशपाल

4.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए – (3 x 2 = 6)

(क) लड़के की मृत्यु के दिन ही खरबूजे बेचने जाना बुढ़िया की घोर विवशता थी। साँप के डँसने

से,लड़के की झाड़-फूँक कराने, नाग देवता की पूजा और मृत्यु के बाद अंत्येष्टि करने में हुए खर्च के कारण उसके घर में अनाज का दाना भी न बचा था। बहू बीमार थी। दवा खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे । कमाऊ बेटे के मरने के बाद कोई उसको उधार देने को भी तैयार नहीं था ।

(ख) बाजार के लोग खरबूजे बेचने वाली महिला के बारे में तरह-तरह की बातें कहते हुए ताने दे रहे थे और धिक्कार रहे थे। उनमें से कोई कह रहा था कि बुढ़िया कितनी बेहया है जो अपने बेटे के मरने के दूसरे दिन ही खरबूजे बेचने चली आई। दूसरे सज्जन कह रहे थे कि जैसी नीयत होती है अल्लाह वैसी ही बरकत देता है। सामने फुटपाथ पर दियासलाई से कान खुजलाते हुए एक आदमी कह रहा था, "अरे इन लोगों का क्या है ? ये कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनके लिए बेटा-बेटी खसम-लुगाई, ईमान-धर्म सब रोटी का टुकड़ा है।

(ग) चंदन-पानी, घन-मोर, चाँद-चकोर, दीपक-बत्ती, मोती-धागा, सुहागा-सोना, स्वामी-दास

(घ) दूसरे पद में कवि ने अपने प्रभु को 'गरीब निवाजु' कहा है। इसका अर्थ है-दीन-दुखियों पर दया करने वाला। प्रभु ने रैदास जैसे अछूत माने जाने वाले प्राणी को संत की पदवी प्रदान की। रैदास जन-जन के पूज्य बने। उन्हें महान संतों जैसा सम्मान मिला। रैदास की दृष्टि में यह उनके प्रभु की दीन-दयालुता और अपार कृपा ही है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए – (1 x 3 = 3)

(क) महादेवी ने देखा कि गिल्लू अपने हिसाब से जवान हो गया था। उसका पहला वसंत आ चुका था। खिड़की के बाहर कुछ गिलहरियाँ भी आकर चिकचिक करने लगी थीं। गिल्लू उनकी तरफ प्यार से देखता रहता था। इसलिए महादेवी ने समझ लिया कि अब उसे गिलहरियों के बीच स्वच्छंद विहार के लिए छोड़ देना चाहिए।

लेखिका ने गिल्लू की जाली की एक कील इस तरह उखाड़ दी कि उसके आने-जाने का रास्ता बन गया। अब वह जाली के बाहर अपनी इच्छा से आ-जा सकता था।

(ख) हिंदू संस्कृति में ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में हमारे पूर्वज हमसे कुछ पाने के लिए कौए के रूप में हमारे सामने आते हैं। इसके अलावा कौए हमारे दूरस्थ रिश्तेदारों के आगमन की सूचना भी देते हैं, जिससे उसे आदर मिलता है। दूसरी ओर कौए की कर्कश भरी काँव-काँव को

हम अवमानना के रूप में प्रयुक्त करते हैं। इससे वह तिरस्कार का पात्र बनता है। इस प्रकार एक साथ आदर और अनादर पाने के कारण कौए को समादरित और अनादरित कहा गया

खंड-घ

6. विषयवस्तु- 2 5

   प्रारूप - 1.5

   भाषा - 1.5